अग्रवाल महाविद्यालय में मनाया गया तीसरा हरित दिवस

अग्रवाल महाविद्यालय में प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को परिसर वाहन मुक्त रहता है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता ने बताया कि इस के माध्यम से विद्यार्थियों और समुदाय को पर्यावरण के प्रति जागरूक व संवेदनशील बनाना है। आज इस तीसरे हरित दिवस को पार्यवरण क्लब के तत्वावधान एमं एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसका विषय था **"व्यर्थ का सर्वोत्तम प्रयोग"** और **"इलैक्ट्रॉनिक व्यर्थ का प्रबन्धन"**। कार्यशाला के प्रथम भाग में ललित कला में प्रवीण कुमारी रीना जी अतिथि रहीं जिन्होंने व्यर्थ वस्तुओं को फेंकने के स्थान पर उनका प्रयोग कैसे किया जा सकता है इसके विषय में सभी विद्यार्थियों को बताया। कुमारी रीना जी ने बोतल जैसी कई व्यर्थ वस्तुओं को नवीन रूप देकर विद्यार्थियों को Best out of waste की ओर आकर्षित किया। यह गतिविधि डेढ़ घंटे तक चली। इसमें 50 धरती मित्रों ने भाग लिया।

कार्यशाला के द्वितीय भाग में "नमो ई–वेस्ट स्टार्टअप कम्पनी" के प्रचारक श्री विवेक जी अतिथि रहे, जिन्होंने इलैक्ट्रोनिक वस्तुओं जैसे ट्यूबलाइट, मॉनीटर, प्रिंटर, मोबाइल फोन, माऊस आदि के कचरे से संबन्धित अनेक जानकारियाँ दीं। उन्होंने बताया कि इन E-Waste की समाप्ति के सही तरीकों की जानकारी न होने के कारण इससे वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है। जिससे मनुष्य की औसत आयु कम होती जा रही है। E-Waste से 50% की तीव्र गति से पर्यावरण को नुकसान पहुँच रहा है। E-Waste से अनेक हानिकारक पदार्थ निकलते हैं जिनसे मानव–शरीर को बहुत हानि पहुँचती है। इसलिए कचरे को अलग–अलग एकत्रित करना चाहिए तथा उनका सही निपटारा करना चाहिए ताकि पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने शपथ ली कि वे कचरा नहीं फैलाएंगे, कचरे को अलग–अलग एकत्रित करेंगे और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाएंगे और उनकी रक्षा करेंगे। इसी के साथ कुछ छात्र–छात्राओं ने "पेड़ अपनाओ गतिविधि के अंतर्गत वृक्षारोपण किया तथा उनकी देखरेख की शपथ ली। संपूर्ण कार्यक्रम पर्यावरण

क्लब की संचालिका श्रीमती किरन आनन्द, डॉ. अशोक कुमार "निराला" व डॉ. रेखा सेन के सहयोग से डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता, प्राचार्य , अग्रवाल महाविद्यालय के नेतृत्व एवं दिशा निर्देशन में संपन्न हुआ।